नोट– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the historical development of complementary any therapy.

   पूरक चिकित्सा का ऐतिहासिक विकास का वर्णन करो।

2. Differentiate between acupressure and acupunture. Explain the principles and methods of acupressure.

   एक्यूप्रेशर एवं एक्यूपंक्चर में अन्तर स्पष्ट करे। एक्यूप्रेशर के सिद्धान्त एवं विधियों का वर्णन करो।

3. Explain the history and principles of magnet therapy.

   चुम्बक चिकित्सा का इतिहास एवं सिद्धांतों का वर्णन करो।

4. Explain Prana and Pranic healing. Discuss various methods of Pranic Therapy.

   प्राण एवं प्राणिक हीलिंग का अर्थ समझाइये। प्राण चिकित्सा की विभिन्न विधियों का वर्णन करो।

5. Explain the history and principles of Reki Therapy.

   रेकी चिकित्सा का इतिहास एवं सिद्धांतों का वर्णन करो।

Section - B / खण्ड 'ख'

(Short-Answer-Type Questions)

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note - Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Seven (07) marks each. Learners are required to answer any Five (05) questions only.

$(5 \times 7 = 35)$

नोट– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the need and importance of complementary therapy.

   पूरक चिकित्सा की आवश्यकता एवं महत्व का वर्णन करो।

2. Explain meaning and importance of acupunture.

   एक्यूपंक्चर का अर्थ एवं महत्व समझाइये।

3. Explain the limitations of Reki therapy.

रेकी चिकित्सा की सीमाओं का वर्णन करें।

4. Explain Pranic therapy in any one of the disease.

किसी एक रोग में प्राण चिकित्सा समझाइए।

5. Explain various chakras in Prana therapy.

प्राण चिकित्सा के विभिन्न चक्रों का वर्णन करों।

6. Explain the principles of magnet therapy.

चुम्बक चिकित्सा के सिद्धान्तों का वर्णन करो।

7. Explain Reki therapy in any one of the disease.

किसी एक रोग में रेकी चिकित्सा समझाइये।

8. Explain Magnet therapy in any one of the disease.

किसी एक रोग में चुम्बक चिकित्सा समझाइये।

 Roll No.....

BY-304

Methods of Complimentry Theraphy-I/
पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ-I
Bachelor of Yoga & Naturopathy
(BYN-12/16/BAY-17)
Third Year, Examination - 2019

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note - This Paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the Questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट- यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशानुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(Section A) खण्ड 'क'
(Long-Answer-Type Questions)
दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न

Note - Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Fifteen (15) marks each. Learners are required to answer any Three (03) questions only.

$(3 \times 15 = 45)$